BPSC Mains करेंट अफेयर्स

GS, Paper -1, Section -02

Khan Global Studies

By : SKC Sir

Topic:

1. जाति आधारित जनगणना और जाति सर्वेक्षण
2. बिहार में जाति-जनगणना

जाति आधारित जनगणना और जाति सर्वेक्षण

- वर्तमान संदर्भ → 'संसद'
- जाति आधारित जनगणना का इतिहास
- जनगणना संबंधित वैधानिक प्रावधान
- जनगणना और जाति सर्वेक्षण क्या है?
- जाति आधारित जनगणना का क्या महत्व है?
- जातिगत जनगणना के विपक्ष में तर्क
- आगे की राह:
- निष्कर्ष:

बिहार में जाति-जनगणना

- वर्तमान संदर्भ
- बिहार में जाति-जनगणना
- जाति सर्वेक्षण में अपनाई गई प्रक्रिया:
- बिहार के जाति-सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष:
- बिहार जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों का महत्व
- जाति जनगणना से जुड़े मुद्दे:
- आगे की राह

मुख्य परीक्षा के लिए संभावित प्रश्न-

1. भारत में जाति-आधारित जनगणना करने के प्रमुख फायदे और नुकसान क्या हैं? सामाजिक न्याय और नीति निर्माण से कैसे संबंधित हैं? (8 Marks)

2. भारत में जाति-आधारित जनगणना के पक्ष और विपक्ष में तर्कों की व्याख्या करें और बताएं कि पिछड़े वर्गों का उप-वर्गीकरण और प्रौद्योगिकी का उपयोग इन चिंताओं को कैसे दूर कर सकता है। नीति निर्माण में सटीक आंकड़ों के महत्व और भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव का आकलन करें। (38 Marks)

❑ वर्तमान संदर्भ

हाल ही संसद के विशेष सत्र में ट्रॉरान

SECC

❑ जाति आधारित जनगणना का इतिहास

- वर्ष 1931 तक भारत में जातिगत जनगणना होती थी।
- वर्ष 1941 में जनगणना के समय जाति आधारित डेटा जुटाया ज़रूर गया था, लेकिन प्रकाशित नहीं किया गया।
- साल 1951 से 2011 तक की जनगणना में हर बार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का डेटा दिया गया, लेकिन ओबीसी और दूसरी जातियों का नहीं।
- 2011 में SECC यानी सोशियो इकोनॉमिक कास्ट सेंसस आधारित डेटा जुटाया था। इसकी जिम्मेदारी ग्रामीण विकास मंत्रालय और शहरी विकास मंत्रालय को सौंपी गई।
- 2016 में जाति को छोड़ कर SECC के सभी आँकड़े प्रकाशित हुए। लेकिन जातिगत आँकड़े प्रकाशित नहीं हुए. जाति का डेटा सामाजिक कल्याण मंत्रालय को सौंप दिया गया, जिसके बाद एक एक्सपर्ट ग्रुप बना, लेकिन उसके बाद आँकड़ों का क्या हुआ, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

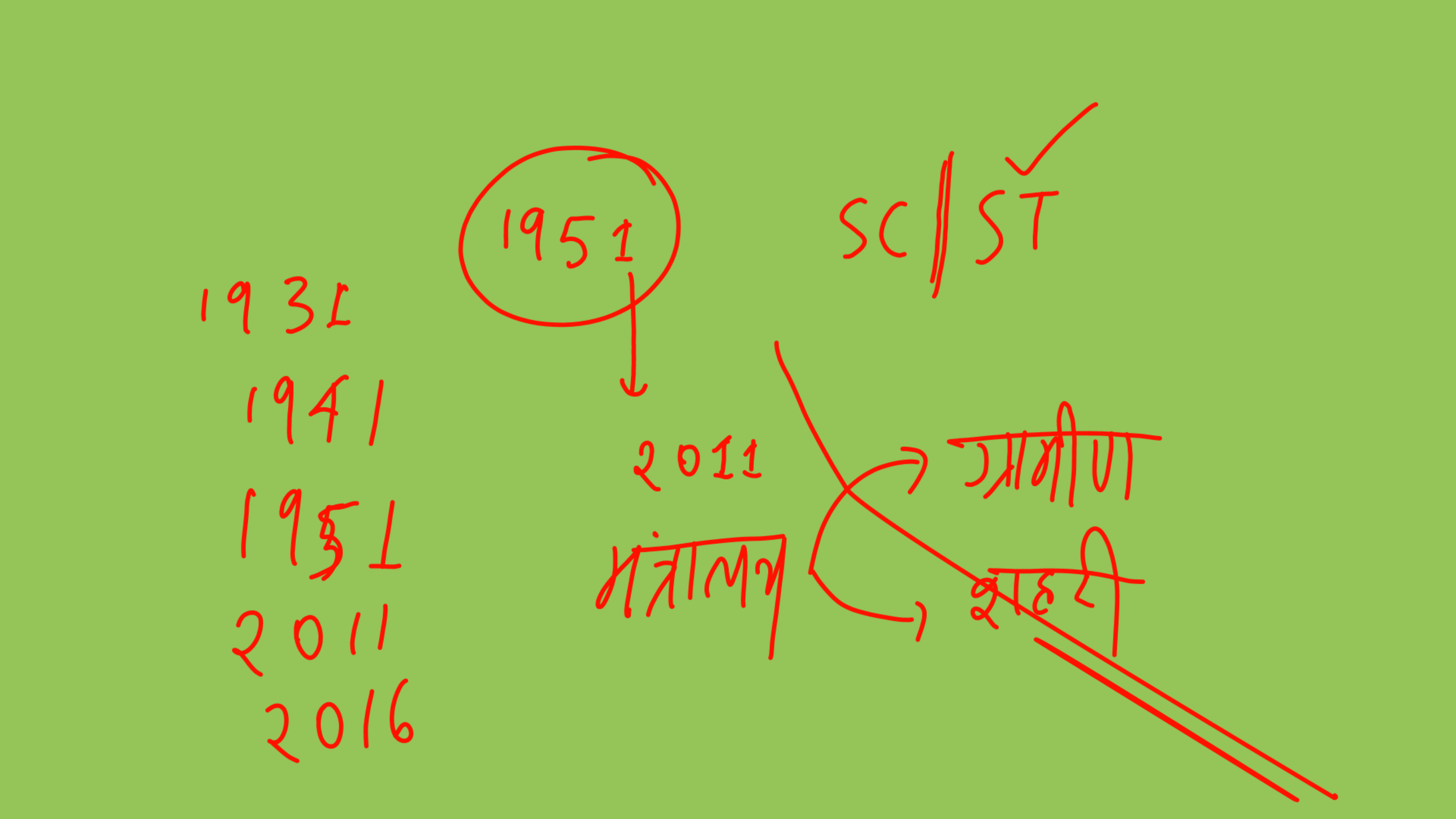

1931

1941

1951

2011

2016

1951

2011

मंत्रालय

ग्रामीण

शहरी

SC / ST ✓

❑ जनगणना संबंधित वैधानिक प्रावधान

अनुसूची - VII

→ संघ सूची

↑

जनगणना

→ अनु० 246

जातिगत जनगणना

अनु० 340

↑

विभिन्न आयोगों के गठन

↑

'जाति / समुदाय विशेष'

❑ जनगणना और जाति सर्वेक्षण क्या है?

जनगणना
↓
विधायित प्रक्रिया
↓
दशकीय जनगणना

'SECC'
सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना
↓
विशेष आकलन
↓
समय निर्धारित नहीं है।

+ जाति

⇒

❑ जाति आधारित जनगणना का क्या महत्व है?

1. नीति निर्माण में सहायक
2. आरक्षण को तर्कसंगत बनाने मे योगदान
3. सरकारी कल्याणकारी योजनाओं मे सुधार
4. भारतीय समाज मे जाति कि प्रासंगिकता
5. असमानताओं को दूर करना
6. संवैधानिक अधिदेष को लागू करना
7. विभिन्न अयोगों के उद्देश्यों का समर्थन करना
8. जाति संबंधित मिथ्यों को दूर करना,नीति निर्माण में सहायक

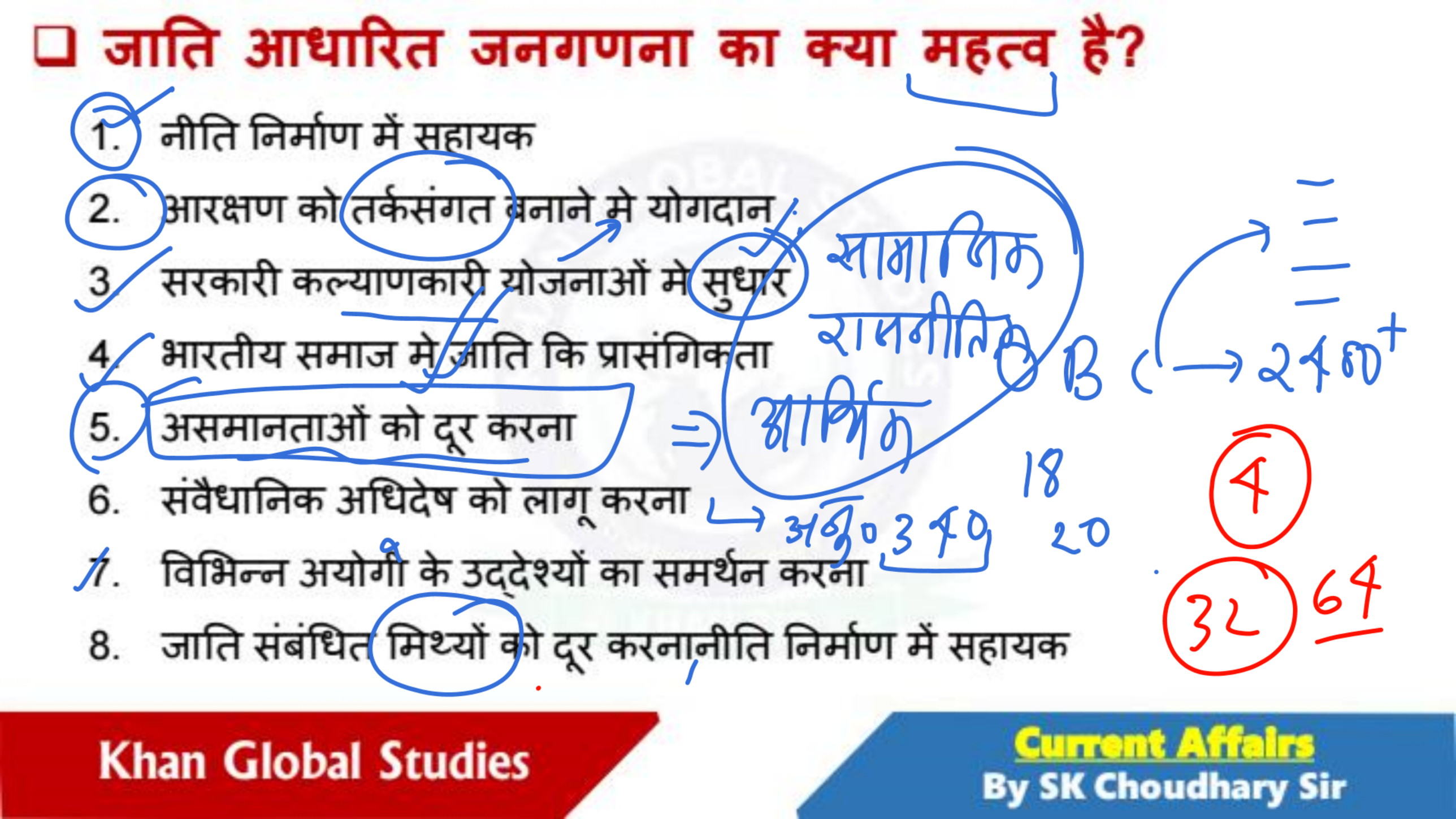

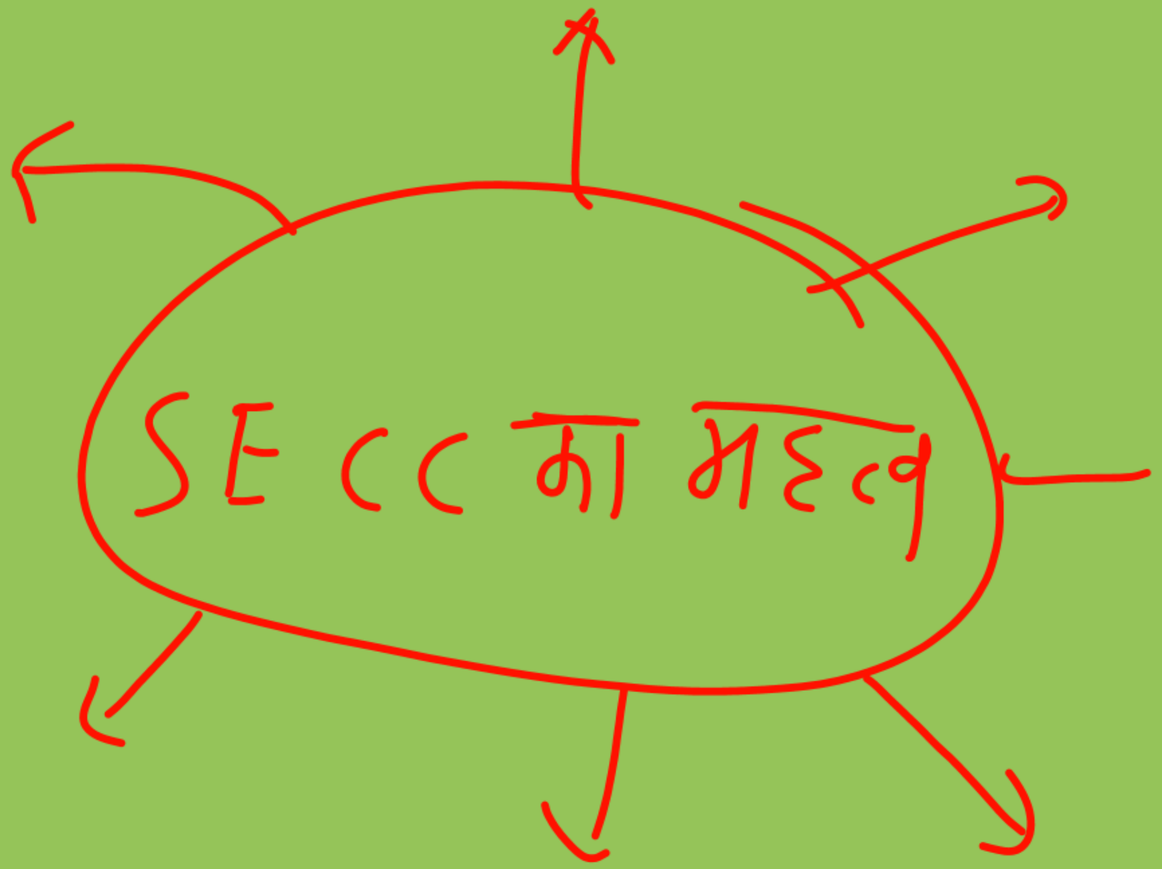
SE CC का महत्व

❑ जातिगत जनगणना के विपक्ष में तर्क

1. जाति व्यवस्था की पुष्टि
2. जातियों की अस्पष्ट परीभाषा
3. सामाजिक विभाजन में वृद्धि
4. राजनीतिक लामबंदी / ध्रुवीकरण
5. जातिगत आरक्षण संबंधित मांग में वृद्धि
6. राष्ट्रीय एकता के लिए जोखिम

PT
Mains
Interview

❑ आगे की राह:

4.

① जातिगत अध्ययन के लिए आँकड़ों को उपलब्ध किया जाए → राज्य, जिला, प्रखण्ड

② जातिगत भेदभाव को कम करने की ओर प्रयास किए जाए।

③ AI और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करके जातियों के आँकड़ों को कुशल किया जाए।

❑ निष्कर्ष:

Topic:

1. जाति आधारित जनगणना और जाति सर्वेक्षण
2. बिहार में जाति-जनगणना

बिहार में जाति-जनगणना

- वर्तमान संदर्भ
- बिहार में जाति-जनगणना
- जाति सर्वेक्षण में अपनाई गई प्रक्रिया:
- बिहार के जाति-सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष:
- बिहार जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों का महत्व
- जाति जनगणना से जुड़े मुद्दे:
- आगे की राह

❑ वर्तमान संदर्भ

- 2 अक्टूबर,2023 को बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना के आंकड़े प्रकाशित कर दिए गए हैं।

→ बिहार सरकार के उपर मुख्य सचिव 'विवेक सिंह' द्वारा प्रेस कांफ्रेंस कर आँकड़े प्रकाशित किए गए।

⇒ 'बिहार'

❑ बिहार में जाति-जनगणना

- बिहार विधानमंडल ने 18 फरवरी 2019 को राज्य में जाति आधारित जनगणना (सर्वे) कराने का प्रस्ताव पारित किया था।
- इसके बाद 2 जून, 2022 को बिहार मंत्री परिषद ने जाति आधारित जनगणना कराने का फ़ैसला किया। 5 अगस्त 2023 को सारे आंकड़े बनाकर मोबाइल ऐप के जरिए जमा किया गया।

सर्वसम्मति

बजटीय आवंटन
500 करोड़
5 लाख कर्मी

2nd Oct, 2023

❑ जाति सर्वेक्षण में अपनाई गई प्रक्रिया:

- ये दो चरणों में होनी थी। पहले चरण में ये मकान के जरिए होनी थी।
  - इसके तहत 7 जनवरी 2023 से 31 जनवरी 2023 तक मकानों का नंबरीकरण किया गया और लिस्ट बनाई गई।
  - दूसरे चरण में राज्य के सभी व्यक्तियों की जनगणना का काम 15 अप्रैल 2023 को शुरू किया गया।

❑ बिहार के जाति-सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष:

वर्ग (Categories)

धार्मिक (Religion)

जाति (Caste)

Overall कुल M/F

12 साल में 25 फीसदी बढ़ी

बिहार की आबादी

कुल आबादी

2011

10,40,99,452

2023

13,07,25310

इजाफा

25.5%

अमर उजाला
amarujala.com

हजार पुरुषों पर 953 महिलाएं
पुरुष
6,41,31,990
महिला
6,11,38,460
कुल आबादी
13,07,25,310
अमर उजाला

जातीय जनगणना में क्या है खास?
02 चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया
500 करोड़ रुपये खर्च का अनुमान
05 महीने बाद आ सकती है रिपोर्ट
अमर उजाला

918 → 2011

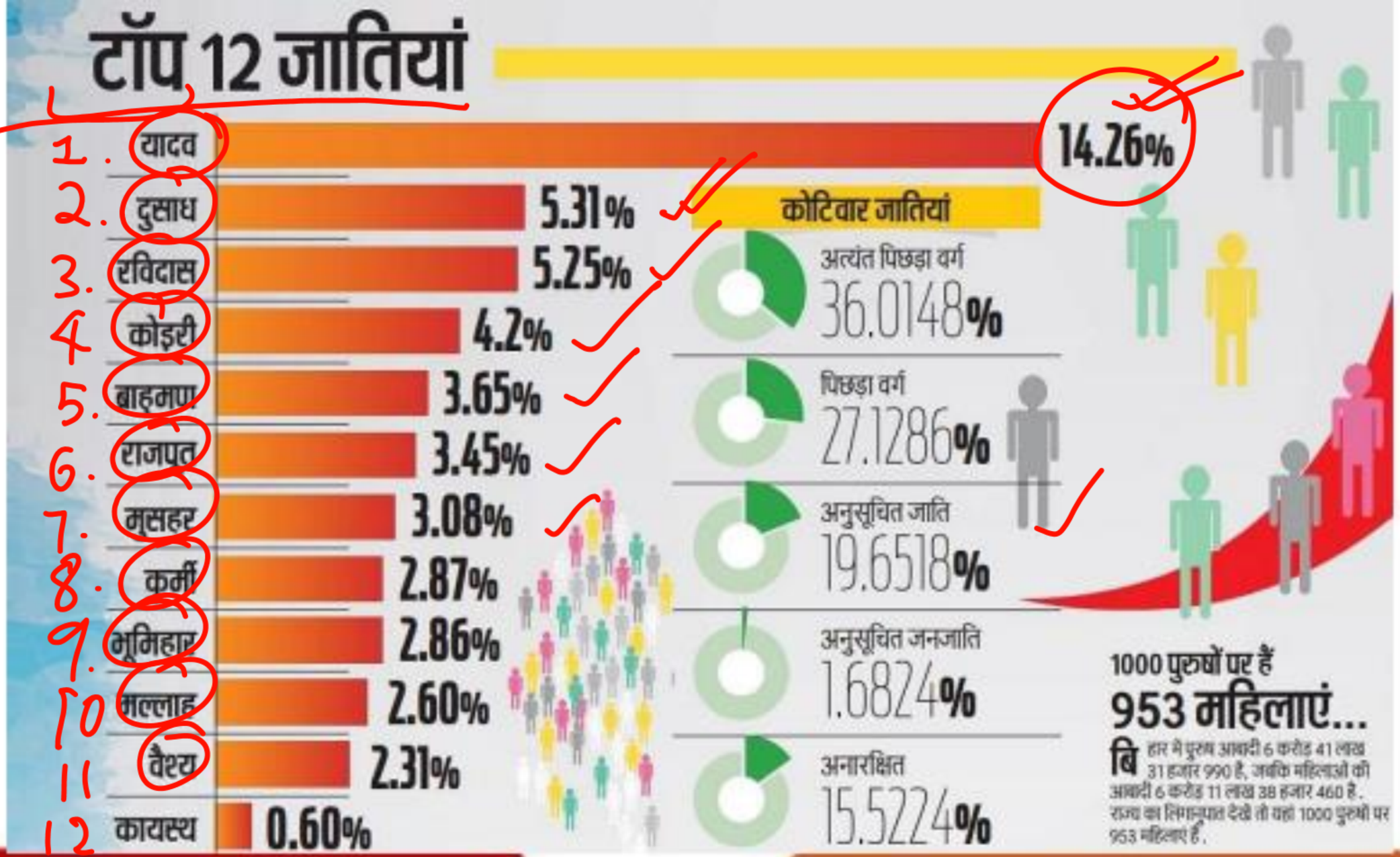

Khan Global Studies

By : SKC Sir

बिहार में जातिगत जनगणना के आंकड़े

वर्ग	आबादी	हिस्सेदारी
पिछड़ा वर्ग (BC)	3,54,63,936*	27.12%
अति पिछड़ा वर्ग (EBC)	4,70,80,514	36.01%
अनुसूचित जाति (SC)	2,56,89,820	19.65%
अनुसूचित जनजाति (ST)	21,99,361	1.68%
सामान्य (Gen.)	2,02,91,679	15.52%
कुल	13,07,25,310	100%

63%

अमर उजाला
amarujala.com

Khan Global Studies

By : SKC Sir

धर्मवार देखें तो लगभग

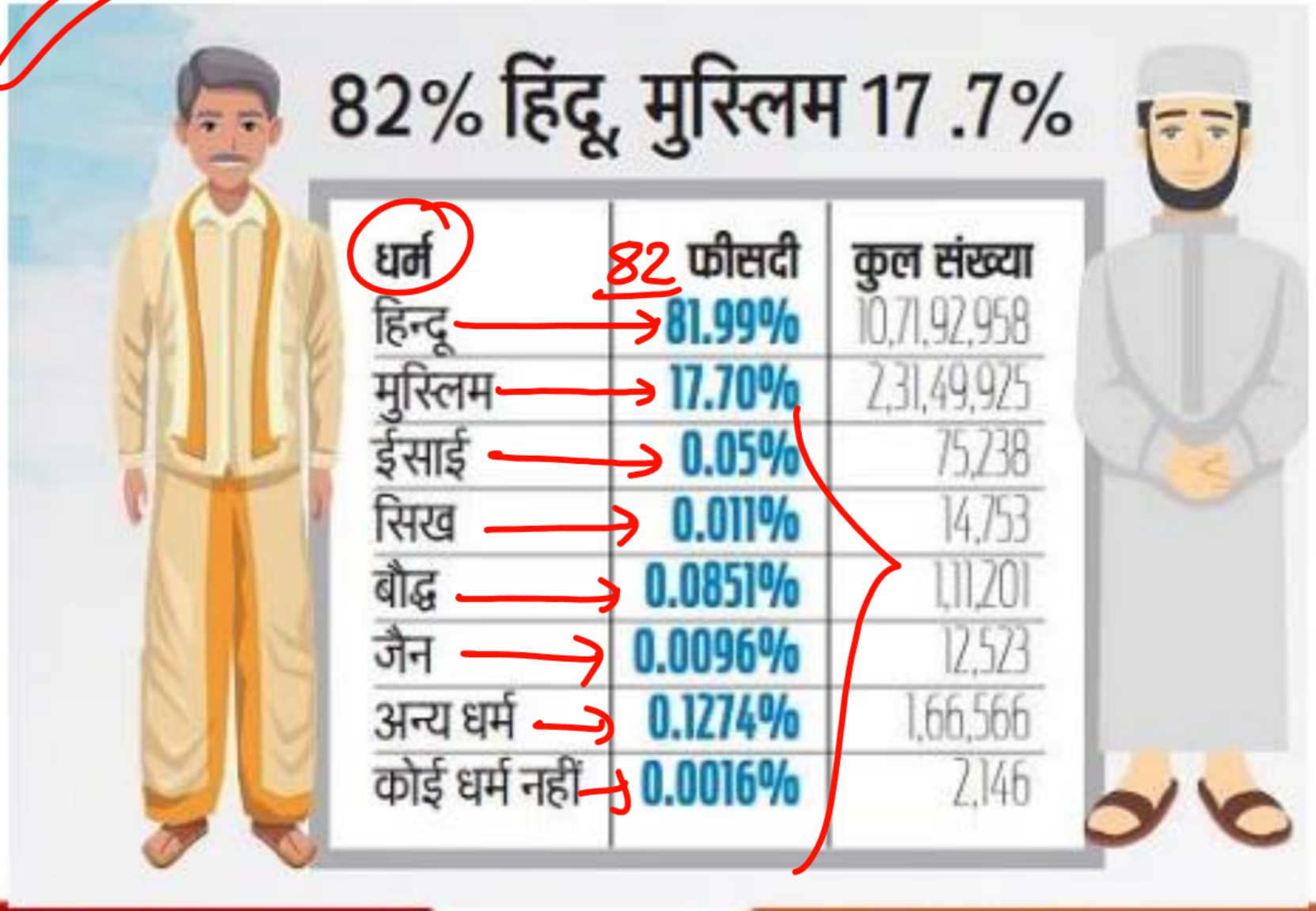

बिहार में किस जाति के कितने लोग

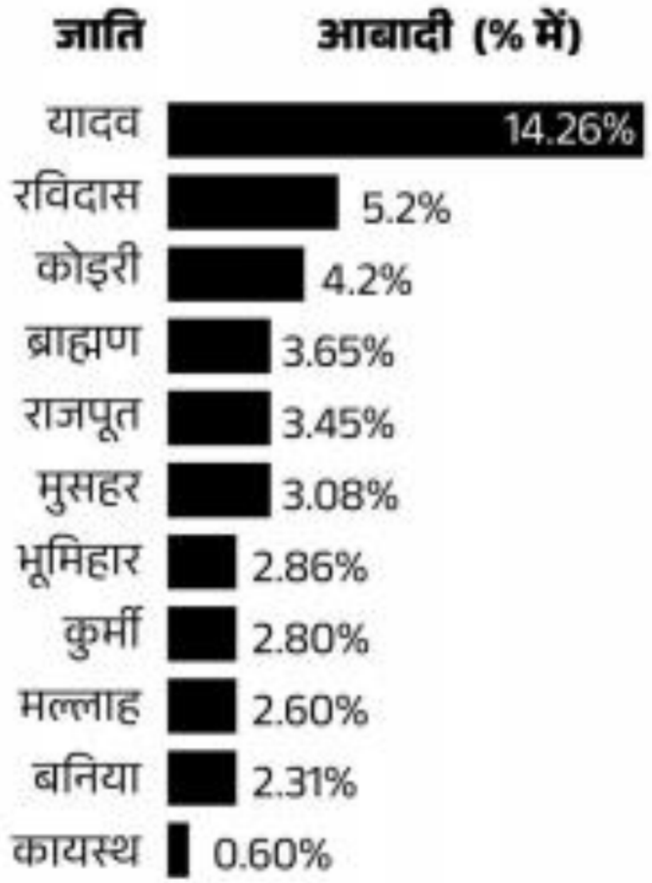

राज्य की कुल आबादी: **13 करोड़**

Khan Global Studies

By : SKC Sir

❑ बिहार जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों का महत्व

1. ओबीसी आरक्षण में वृद्धि
2. आरक्षण सीमा का पुनर्निर्धारण
3. संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति में सहायक
4. सर्वोदय की प्राप्ति
5. सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं में सुधार
6. लाभार्थियों की सही पहचान करने में सहायक

63%

DPSP's

पक्ष में

इंद्रसाहनी बनाम भारत संघ

1992

50%

❑ जाति जनगणना से जुड़े मुद्दे:

❑ आगे की राह

❑ निष्कर्ष:

Upcoming Topic

- जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2023
- खान एवं खनिज संशोधन विधेयक, 2023
- अपतटीय क्षेत्र खनिज संशोधन विधेयक, 2023.
- वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2023
- इंडी प्रमुख का तीसरा कार्यकाल विस्तार 'अवैध': सुप्रीम कोर्ट
- जिलों के लिए प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक
- राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों हेतु प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक 2.0
- राज्यों में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण की योजना

Thank
You
By SK Choudhary Sir

Topic:

1. “स्वच्छता ही सेवा” अभियान 2023
2. आयुष्मान भव अभियान
3. सागर परिक्रमा चरण - VIII

BPSC Mains करेंट अफेयर्स

GS, Paper -1, Section -02

Khan Global Studies

By : SKC Sir

“स्वच्छता ही सेवा” अभियान 2023

- संदर्भ
- मुख्य बिंदु
- उद्देश्य
- अन्य बातें

Khan Global Studies

By : SKC Sir

❑ वर्तमान संदर्भ

- ❖ केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 15 सितंबर, 2023 को जयपुर से अखिल भारतीय स्वच्छता पखवाड़ा "स्वच्छता ही सेवा 2023" अभियान [Swachhata Hi Seva (SHS) 2023 campaign] का शुभारंभ किया।
- ❖ ेन्द्रीय जल शक्ति मंत्री द्वारा यह अभियान केंद्रीय पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह और केंद्रीय आवास तथा शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ संयुक्त रूप से शुरू किया गया।

❑ मुख्य बिंदु

- ❖ इस अभियान की थीम है- 'कचरा-मुक्त भारत' (Garbage- Free India)

- ❖ 02 अक्टूबर, 2023 (गांधी जयंती) को स्वच्छ भारत दिवस की तैयारी के रूप में, स्वच्छ भारत मिशन के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग से 15 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2023 के मध्य 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का आयोजन किया गय|
- ❖ फोकस:

यह अभियान स्वैच्छिक तथा श्रमदान की भावना के साथ-साथ सफाई मित्रों के कल्याण के माध्यम से स्थानीय निकायों में स्वच्छता के स्पष्ट रूप से उच्च मानक को प्राप्त करने पर केंद्रित था।

❑ उद्देश्य

❑ अन्य बातें

SHS- 2023 के तहत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित

1. **एक साथ समाधानः** यह अभियान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालता है।

2. **सामुदायिक गतिशीलताः** अभियान का उद्देश्य समुदायों को एकजुट करना, खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस गांवों लिए 'जन आंदोलन' को बढ़ावा देना और 'स्वच्छता हर किसी का व्यवसाय है' के विचार को सुदृढ़ करना है।

3. **भारतीय स्वच्छता लीग 2.0:** इसका उद्देश्य समुद्र तटों, पहाड़ियाँ और पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता के लिए निरंतर स्वामित्व लेने लिए बड़े पैमाने पर युवा समूहों को संगठित करना है।

आयुष्मान भव अभियान

- संदर्भ
- मुख्य बिंदु
- उद्देश्य
- अन्य बातें

Khan Global Studies

By : SKC Sir

❑ संदर्भ

- 13 सितंबर, 2023 को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने गांधीनगर के राजभवन से आयुष्मान भव अभियान (Ayushman Bhav campaign) एवं आयुष्मान भव पोर्टल (Ayushman Bhav Portal) का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया ।

❑ मुख्य बिंदु

- ❖ यह अभूतपूर्व पहल आयुष्मान भारत कार्यक्रम की सफलता पर आधारित है तथा स्वास्थ्य सेवाओं में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2023 तक 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान कार्यान्वित किया गया, यह पूरे देश और पूरे समाज के दृष्टिकोण का प्रतीक है।

- ❖ यह सरकारी क्षेत्रों, नागरिक समाज संगठनों और समुदायों को एक साझा मिशन के तहत एकजुट करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी असमानता या बहिष्कार के आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।

❑ उद्देश्य

- ❖ युष्मान भव' अभियान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक व्यापक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य सेवा पहल है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक गांव तथा कस्बे तक स्वास्थ्य सेवाओं का संपूर्ण कवरेज प्रदान करना है।

❑ अभियान का कार्यान्वयन

(1)आयुष्मान आपके द्वार 3.0,

(2) स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (HWC) तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) पर आयुष्मान मेलों तथा

(3) प्रत्येक गांव और पंचायत में आयुष्मान सभाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज को संतृप्त करना है।

सागर परिक्रमा चरण - VIII

- संदर्भ
- मुख्य बिंदु
- उद्देश्य
- अन्य बातें

❑ संदर्भ

- 31 अगस्त से 2 सितंबर, 2023 के मध्य तमिलनाडु के कन्याकुमारी से रामनाथपुरम तक सागर परिक्रमा के 8वें चरण' (Sagar Parikrama Phase-VIII) का आयोजन किया गया। सागर परिक्रमा चरण-VIII के अंतर्गत तमिलनाडु के 4 तटीय ही जिलों- कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, थूथुकुडी और रामनाथपुरम को कवर किया गया।

- इस चरण का शुभारंभ 31 अगस्त, 2023 को केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला द्वारा कन्याकुमारी जिले के थेंगापट्टनम समुद्र तट पर किया गया था।

❑ मुख्य बिंदु

- सागर परिक्रमा के पहले सात चरणों में **गुजरात, दीव और दमन, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी और अंडमान एवं निकोबार** सहित 8 पश्चिमी तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 3,600 किमी. की दूरी तय की गई है।

❑ उद्देश्य

- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मत्स्य पालन से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी का प्रसार करना तथा सतत संतुलन पर ध्यान देने के साथ उत्तरदायित्वपूर्ण मत्स्य पालन को बढ़ावा देना और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा करना है।

- यह पहल मछुआरों के मुद्दों, अनुभवों तथा आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समझने के साथ-साथ समुद्री खाद्य निर्यात के दायरे की जांच करने और तटीय क्षेत्रों में मछुआरों के लिए उपलब्ध कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने के लिए शुरू की गई है।

❑ अन्य बातें

मुख्य परीक्षा के लिए संभावित प्रश्न-

❑ वर्तमान संदर्भ

Thank
You
By SK Choudhary Sir